**<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>**

## इरेडा का नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के सह-वित्तपोषण के लिए आईआईएफसीएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिल्ली, 4 सितम्बर, 2023

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) जोकि नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अधीन एक सार्वजनिक प्रतिष्ठान है और भारत इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) जोकि पूर्ण रूप से भारत सरकार के स्वामित्व वाली वर्ष 2006 में स्थापित कंपनी है, के बीच व्यवहार्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को दीर्घकालिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए, आज एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए ।

इस समझौता ज्ञापन पर इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास और आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक, श्री पी.आर. जयशंकर ने हस्ताक्षर किए।

यह समझौता ज्ञापन इरेडा और आईआईएफसीएल को लघु जलविद्युत परियोजनाओं सहित सभी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए सह-ऋण/सह-उत्पत्ति और ऋण सिंडिकेशन के लिए सशक्त बनाएगा। ये दोनों

संगठन तीन से चार साल की अवधि के लिए इरेडा के  उधार के लिए ब्याज दर निर्धारित  करने का भी प्रयास करेंगे। इसके अलावा, आईआईएफसीएल  जारी नियमों और शर्तों के अनुसार इरेडा  द्वारा जारी बॉण्ड  में निवेश कर सकता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, इरेडा के सीएमडी ने कहा कि, "आईआईएफसीएल के साथ साझेदारी करके हम प्रसन्न हैं और आरई क्षेत्र के विकास के लिए आईआईएफसीएल को अपनी तकनीकी-वित्तीय विशेषज्ञता प्रदान करते हैं । इस सहयोग के साथ, हम वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन से ऊर्जा का 50% हिस्सा हासिल करने की भारत सरकार के लक्ष्य का समर्थन करने में सक्षम होंगे। आगे उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि एक साथ काम करके, हम अपनी शक्ति का लाभ उठाएंगे और माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन और एक स्वच्छ और ग्रीन इंडिया के अनुरूप अपने ग्राहकों की सेवा करना जारी रखेंगे। ”

इरेडा ने आरई क्षेत्र में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए दो साल पहले एक विशेष व्यवसाय विकास और परामर्श अनुभाग की स्थापना की । पिछले वर्षों के दौरान, इरेडा ने अन्य केंद्रीय/राज्य एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किया है । इस एमओयू के माध्यम से, इरेडा  की ग्रीन फाइनेंसिंग की विशेषज्ञता और आईआईएफसीएल की इंफ्रा फाइनेंसिंग की विशेषज्ञता एक दूसरे के साथ तालमेल बिठाएगी ।